भारतीय टीम का विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में पहुंचना कठिन, श्रीलंका के पास अच्छा अवसर :चोपड़ा

मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम जिस प्रकार से खेल रही है। उसको देखते हुए उसके विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 के फाइनल में पहुंचने की संभावना बेहद कम है। वहीं श्रीलंका के पास अच्छा अवसर है। चोपड़ा के अनुसार ये सही है कि भारतीय टीम दो बार की उपविजेत रही है पर इस बार उसकी राह लगभग असंभव नजर आ रही है। वहीं श्रीलंका के पास भारत के खिलाफ होने वाली आगामी घरेलू सीरीज जीतकर शीर्ष चार में जगह बनाने का अवसर है। भारतीय टीम 15 अगस्त से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी। वर्तमान हालातों पर नजर डालें तो डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में भारतीय टीम 48.150 फीसदी अंकों (पीसीटी) के साथ पांचवें स्थान पर है, जिसने नौ मैचों में चार जीत और चार हार दर्ज की हैं। वहीं, श्रीलंका 41.67 पीसीटी के साथ छठे स्थान पर है।

चोपड़ा ने बताया कि श्रीलंका के लिए यह सीरीज निर्णायक साबित हो सकती है। उन्होंने कहा, अगर हम (भारत) 2-0 से हारते हैं, तो हम सिर्फ 39 फीसदी अंक र रहेंगे और श्रीलंका 61 फीसदी अंक पर पहुंच जाएगा और चौथे नंबर पर आ जाएगा। अगर श्रीलंका भारत को 2-0 से हराता है तो वह दौड़ में शामिल हो जाएगा। तब उनके आगे बढ़ने का वास्तविक मौका होगा, वरना उनके लिए यह पास आकर भी दूर रहने वाली कहानी होगी। इससे स्पष्ट है कि श्रीलंका के पास इस सीरीज में क्लीन स्वीप कर डब्लूटीसी फाइनल की दौड़ में मजबूत दावेदारी पेश करने का सुनहरा अवसर है।

वहीं, भारतीय टीम के हिसाब से देखें तो चोपड़ा ने बताया कि अगर भारत सीरीज में क्लीन स्वीप करता है, तो उन्हें फायदा मिल सकता है। उन्होंने कहा, अगर हम यह सीरीज 2-0 से जीतते हैं, तो हम 57.58 फीसदी अंक तक पहुंच जाएंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर सीरीज 1-1 से ड्रा होती है, तो दोनों टीमों को कोई खास फायदा नहीं होगा। ऐसी स्थिति में भारत 48.48 पीसीटी और श्रीलंका 44.44 पीसीटी पर रहेगा, जिससे उनकी मौजूदा स्थिति में कोई बड़ा बदलाव नहीं आएगा।

चोपड़ा ने भारत के लिए आगे आने वाली परेशानी पर भी प्रकाश डाला, जो उनके फाइनल में पहुंचने की राह को और मुश्किल बनाती हैं। उन्होंने कहा, आगे हमारे पास न्यूजीलैंड में 2 मैचों की सीरीज है, जहां जीतना मुश्किल है। अगर आप एक भी मैच हारते हैं, तो आप 50 फीसदी अंक खो देते हैं। यह एक मुश्किल सीरीज होगी और उसके बाद भारत में आस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैच हैं। भारत मुश्किल स्थिति में है। न्यूजीलैंड में भारत का रिकार्ड खराब रहा है, 2008/09 के बाद से उन्होंने वहां कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। भारत को घरेलू मैदान पर भी आस्ट्रेलिया के खिलाफ संघर्ष करना पड़ सकता है, जैसा कि न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले साल मिली लगातार क्लीन स्वीप से स्पष्ट है।

न्यूज ब्रीफ

सेंट लुईस रैपिड एंड ब्लिट्ज: प्रज्ञानानंद रैपिड चरण में शीर्ष पर, अब ब्लिट्ज मुकाबलों पर नजर

सेंट लुईस। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने सेंट लुईस रैपिड एंड ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट के रैपिड चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया है। नौ राउंड के बाद उन्होंने संभावित 18 में से 12 अंक जुटाए और इसी के साथ इस वर्ष के अंत में होने वाले ग्रैंड चेस टूर (जीसीटी) फाइनल में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। विश्व चैंपियनशिप 2026 की दौड़ से बाहर हो चुके प्रज्ञानानंद ने रैपिड चरण में सटीक रणनीति, बेहतरीन तकनीक और जीत के जज्बे का शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि, उन्हें अंतिम (नौवें) राउंड में नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर जार्डन वान फोरेस्ट के हाथों हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद वह एक अंक की बढ़त के साथ शीर्ष पर बने रहे। उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव 11 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। सिंदारोव इसी वर्ष विश्व शतरंज चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में भारत के डी. गुकेश को चुनौती देंगे। अमेरिका के वेस्ली सो भी 11 अंकों के साथ शीर्ष खिलाड़ियों की दौड़ में बने हुए हैं। हालांकि, टूर्नामेंट का फैसला केवल रैपिड चरण से नहीं होगा। अब खिलाड़ियों को 18 ब्लिट्ज मुकाबले खेलने हैं, जहां प्रत्येक जीत पर एक अंक मिलेगा। कुल 2 लाख अमेरिकी डालर की पुरस्कार राशि वाले इस टूर्नामेंट के विजेता को 50 हजार अमेरिकी डालर मिलेंगे। यदि प्रज्ञानानंद अंतिम राउंड जीत जाते तो ब्लिट्ज चरण में उनकी बढ़त और मजबूत होती। रैपिड चरण में उन्होंने चार जीत, चार ड्रा और एक हार के साथ 12 अंक हासिल किए। रैपिड चरण के बाद अंक तालिका में लेवोन अरोनियन, लेनियर डोमिंगेज पेरेज, अनिश गिरी और विन्सेंट कीमर नौ-नौ अंकों के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। इनमें विशेष रूप से कीमर ब्लिट्ज शतरंज के मजबूत खिलाड़ी माने जाते हैं और खिताबी दौड़ को रोचक बना सकते हैं। इस 10 खिलाड़ियों की राउंड-राबिन प्रतियोगिता के बाद प्रतिष्ठित सिंकफील्ड कप का आयोजन होगा, जो क्लासिकल प्रारूप में खेला जाएगा। रैपिड चरण के बाद शीर्ष खिलाड़ी:- 1. आर. प्रज्ञानानंद (भारत) - 12 अंक , 2. जावोखिर सिंदारोव (उज्बेकिस्तान) - 11 अंक , 3. वेस्ली सो (अमेरिका) - 11 अंक , 4. लेवोन अरोनियन (अमेरिका), लेनियर डोमिंगेज पेरेज (अमेरिका), अनिश गिरी (नीदरलैंड) और विन्सेंट कीमर (जर्मनी) - 9-9 अंक।

सिनसिनाटी ओपन में फिर साथ दिखेंगी विलियम्स बहनें, यूएस ओपन से पहले खेलेंगी डबल्स

नई दिल्ली। सेरेना विलियम्स और वीनस विलियम्स एक बार फिर डबल्स कोर्ट पर साथ उतरने के लिए तैयार हैं। यूएस ओपन से पहले होने वाले प्रतिष्ठित सिनसिनाटी ओपन में दोनों को डबल्स ड्रा के लिए वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली है। टूर्नामेंट आयोजकों ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। यह 2022 यूएस ओपन के बाद पहला अवसर होगा, जब दोनों बहनें किसी आधिकारिक मुकाबले में डबल्स जोड़ी के रूप में खेलती नजर आएंगी। वहीं, सिनसिनाटी ओपन में दोनों पहली बार एक साथ डबल्स खेलने उतरेंगी। इस साल विंबलडन में भी दोनों को डबल्स के लिए वाइल्ड कार्ड मिला था, लेकिन सेरेना विलियम्स की चोट के कारण यह जोड़ी कोर्ट पर नहीं उतर सकी थी। सेरेना और वीनस विलियम्स महिला टेनिस इतिहास की सबसे सफल डबल्स जोड़ियों में गिनी जाती हैं। 3 ओलंपिक स्वर्ण पदक अपने नाम किए हैं।

सीए ने भारतीय मूल के नील को अंडर-19 टीम में शामिल किया

सिडनी। भारत को जिस प्रकार 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के तौर पर एक उभरता हुआ सितारा मिला है। वैसा ही एक सितारा क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) को भी मिल गया है। संयोग की बात ये है कि ये उभरता क्रिकेटर नील पटेल भी भारतीय मूल का है। युवा सलामी बल्लेबाज नील पटेल ने आस्ट्रेलियाई क्रिकेट में अपनी प्रतिभा से सबको प्रभावित किया है। इसी कारण इस बल्लेबाज को अगले माह 13 सितंबर से होने वाले भारत दौरे के लिए आस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। नील को आस्ट्रेलिया के 16 सबसे होनहार और उभरते हुए क्रिकेटरों की सूची में भी जगह मिली है जिससे उनकी असाधारण खेल क्षमता का अंदाजा होता है। नील ने बहुत कम उम्र में आस्ट्रेलिया के घरेलू क्रिकेट और एज-ग्रुप टूर्नामेंट्स में काफी अधिक रन बनाये हैं। उन्हें आस्ट्रेलिया के सबसे रोमांचक और आक्रामक युवा बल्लेबाजी प्रतिभा में से एक माना जाता है। न्यू साउथ वेल्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने अपनी ठोस तकनीक, क्रीज पर गजब के संयम और लंबी पारियां खेलने की क्षमता से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। यूनिवर्सिटी आफ़ न्यू साउथ वेल्स क्रिकेट क्लब की ओर से खेलते हुए पटेल ने सिर्फ़ 16 साल की उम्र में सुर्खियां बटोरीं।

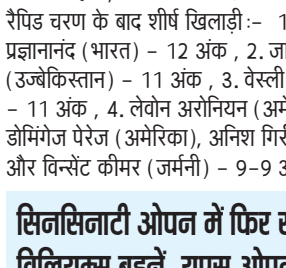

अल्जीरिया ने विश्वकप में खराब प्रदर्शन के कारण कोच पेटकोविच को हटाया

अल्जीयर्स

अल्जीरियाई फुटबाल फेडरेशन (एफएएफ) ने हाल में हुए फीफा विश्वकप में टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए टीम के मुख्य कोच व्लादिमीर पेटकोविक और उनके सहयोगी स्टाफ को हटा दिया है। एफएएफ ने कोच पेटकोविक के 29 महीने के कार्यकाल के बाद ही बाहर कर दिया है। इसका कारण उनका अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाना रहा है। एफएएफ ने एक आधिकारिक बयान में पेटकोविक और उनके स्टाफ के प्रति उनके पेशेवरपन, प्रतिबद्धता और समर्पण के लिए आभार व्यक्त किया।

गौरतलब है कि स्विट्जरलैंड और लाजियो के पूर्व कोच रहे पेटकोविक को मार्च 2024 में जामेल बेलमाडी की जगह टीम का कोच बनाया गया था। उनके मार्गदर्शन में, अल्जीरिया ने 2026 फीफा विश्व कप के लिए सफलतापूर्वक क्वालीफाई किया, 2022 में बाहर रहने के बाद टूर्नामेंट में अपनी वापसी सुनिश्चित की। यह उपलब्धि प्रशंसनीय थी, जिसने टीम में नई उम्मीदें जगाई थीं। हालांकि, 62 वर्षीय पेटकोविक के नेतृत्व में टीम का प्रदर्शन विश्व कप में निराशाजनक रहा, जिसके कारण फेडरेशन को अलग होने का निर्णय लेना पड़ा। अल्जीरिया ग्रुप जे में तीसरे स्थान पर रहा और नाकआउट चरण में पहुंचा, लेकिन राउंड आफ 32 में स्विट्जरलैंड से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया। यह गौरतलब है कि विश्व कप से कुछ समय पहले ही पेटकोविक का अनुबंध 2028 तक बढ़ा दिया गया था। इसके बावजूद, टीम के अपेक्षित परिणामों को हासिल करने में विफलता ने फेडरेशन को भविष्य को देखते हुए यह कड़ा कदम उठाने पर मजबूर किया।

पेटकोविक से करार खत्म करने के बाद, अल्जीरियाई फुटबाल फेडरेशन नए कोच की तलाश में है। टीम के सामने अब सितंबर में 2027 अफ्रीका कप आफ नेशंस के लिए क्वालीफिकेशन मैच हैं, जहां उसे जांबिया, टोगो और बुरुंडी के साथ ग्रुप में रखा गया है। यह एक महत्वपूर्ण चुनौती होगी जिसके लिए टीम को एक मजबूत नेतृत्व की आवश्यकता होगी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार नाइजीरिया के हेड कोच एरिक चेले और हाल ही में ट्यूनीशिया से अपना पद छोड़ने वाले अनुभवी कोच हर्वे रेनार्ड, पेटकोविक की जगह ले सकते हैं।

मेसी की दरियादिली, स्पेन में आग प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण के लिए दान दिए 80000 यूरो

मैड्रिड। फुटबाल के दिग्गज खिलाड़ी लियोनल मेसी ने स्पेनिश राजधानी मैड्रिड में हाल ही में जंगल में लगी भीषण आग से प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्निर्माण के प्रयासों के लिए 80,000 यूरो (करीब 88 लाख रुपये) का दान दिया है। मैड्रिड क्षेत्रीय सरकार की प्रेसिडेंट इसाबेल डियाज अयुसो ने सोशल मीडिया पर इस अर्जेंटीना के स्टार के योगदान की घोषणा की और प्रभावित समुदायों के समर्थन में उनके इस उदार भाव के लिए धन्यवाद दिया। इसाबेल डियाज ने कहा, मेसी ने मैड्रिड के सिएरा ओएस्ते क्षेत्र के पुनर्निर्माण के लिए 80,000 यूरो दान किए हैं। मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहती हूं और उनसे कहना चाहती हूं कि मैड्रिड के लोग जल्द ही उनका स्वागत करने और उन्हें वह सम्मान देने के लिए उत्सुक हैं जिसके वे हकदार हैं। तेजी से फैली थी आग यह दान ऐसे समय में आया है जब स्पेनिश अधिकारी मैड्रिड के सिएरा ओएस्ते क्षेत्र में तबाही मचाने वाली आग के बाद की स्थिति को संभालने के अपने प्रयासों में जुटे हुए हैं। इससे पहले, दक्षिणी यूरोप में जंगल की आग तेजी से फैलती रही, जिससे स्पेन, फ्रांस और इटली में बड़े पैमाने पर लोगों को वहां से निकालना पड़ा और आपातकालीन अभियान चलाने पड़े, क्योंकि अत्यधिक गर्मी और तेज हवाओं ने आग को और भड़का दिया था। न ने एक राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया था क्योंकि आग ने मैड्रिड के पास और अविला प्रांत में समुदायों को खतरे में डाल दिया था। मालूम हो कि मेसी ने अर्जेंटीना को 2026 फीफा विश्व कप के फाइनल तक पहुंचाया था, जहां टीम को स्पेन से 0-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

नेमार दिसंबर के बाद क्लब फुटबाल से भी ले सकते हैं संन्यास

साओ पाउलो

ब्राजील के स्टार फुटबालर नेमार के क्लब भविष्य को लेकर भी संशय छाया हुआ है। नेमार ने विश्वकप के बाद अंतराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास ले लिया था पर अब कहा जा रहा है कि वह क्लब स्तर के मुकाबले भी इस साल के अंत तक ही खेलेंगे। वहीं नेमार का कहना है कि वह अभी दिसंबर तक क्लब स्तर पर खेलते रहेंगे और उसके बाद हालातों की समीक्षा कर आगे का फैसला करेंगे। उन्होंने दिसंबर के बाद के अपने भविष्य को लेकर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। जिससे उनके प्रशंसक संशय में हैं।

सैंटोस एफसी के लिए खेलने वाले नेमार ने कहा कि फिलहाल उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने अपने प्रशंसकों और फुटबाल जगत को आश्वस्त करते हुए कहा, मैं अभी संन्यास के बारे में नहीं सोच रहा हूं। नेमार ने यह भी स्पष्ट किया कि वह अभी अपने भविष्य को लेकर कोई अंतिम फैसला नहीं कर रहे हैं और दिसंबर तक सैंटोस के साथ अपना मौजूदा अनुबंध पूरा करना चाहते हैं। हालांकि, उन्होंने दिसंबर के बाद क्या होगा, इस पर अपनी अनिश्चितता खुले तौर पर जाहिर की। उन्होंने कहा, अभी कुछ नहीं बता सकता, दिसंबर तक अभी समय है, फिर देखेंगे।

नेमार के इस बयान के बाद उनके भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। उनके इस खुलेपन ने इस बात को बल दिया है कि दिसंबर के बाद उनके पास कई विकल्प खुले हो सकते हैं। 34 वर्षीय नेमार पिछले कुछ वर्षों में लगातार चोटों से जूझते रहे हैं, जिसने उनके खेल और करियर दोनों पर गहरा असर डाला है। हाल ही में वह ग्रेड-2 पिंडली की गंभीर चोट के कारण लंबे समय तक मैदान से बाहर रहे थे, और इसी चोट का असर उनके 2026 विश्व कप अभियान पर भी पड़ा था, जिसके चलते ब्राजील टीम को काफी नुकसान हुआ। लगातार चोटों से जूझने के बावजूद नेमार का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा है; उन्होंने ब्राजील के लिए चार गोल किए और राष्ट्रीय टीम के इतिहास में चार अलग-अलग विश्व कप संस्करणों में गोल करने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम दर्ज कराया।

राज्य रैंकिंग मास्टर्स टेबल टेनिस स्पर्धा 8 अगस्त से

इंदौर। मध्य प्रदेश वेटरंस टेबल टेनिस कमेटी द्वारा सत्र की पहली राज्य रैंकिंग मास्टर्स टेबल टेनिस चैंपियनशिप का आयोजन 8 अगस्त से स्थानीय अभय प्रशाल में किया जाएगा। मध्य प्रदेश टेबल टेनिस संगठन के तत्वावधान में होने वाली इस स्पर्धा में प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में वेटरन खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। म.प्र. वेटरंस टेबल टेनिस कमेटी के सचिव गौरव पटेल ने बताया कि प्रतियोगिता में पुरुष एकल के 40+, 50+, 60+, 65+ और 70+ आयु वर्ग में मुकाबले खेले जाएंगे। इसके अलावा महिला एकल, पुरुष युगल और मिश्रित युगल वर्ग में भी खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। स्पर्धा में प्रदेश के विभिन्न जिलों से 125 से अधिक खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना है। मुकाबले स्टेग अमेरिका की 12 टेबलों पर आयोजित किए जाएंगे। प्रतियोगिता के संचालन के लिए प्रमुख निर्णायक गोविंद शर्मा और नवीन सोनी के साथ 10 सदस्यीय निर्णायक दल जिम्मेदारी संभालेगा।

डीपीएल: सकारात्मक सोच और बेहतर रणनीति से मिली जीत: आयुष दोसेजा

नई दिल्ली

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़ पर जीत के बाद वेस्ट दिल्ली लायंस के कार्यवाहक कप्तान आयुष दोसेजा ने टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने सकारात्मक सोच के साथ मैदान पर उतरकर अपनी रणनीति को पूरी तरह सफल बनाया।

दोसेजा ने कहा, यह हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण जीत थी। कल की हार के बाद हम सकारात्मक मानसिकता के साथ वापसी करना चाहते थे। हमने अच्छी योजना बनाई, सकारात्मक रहे और अपनी रणनीति को पूरी तरह अमल में उतारा। कप्तान के तौर पर जिस तरह खिलाड़ियों ने जिम्मेदारी निभाई, उससे मैं बेहद खुश हूं।

उन्होंने मैच के हीरो मयंक गुसाईं की जमकर तारीफ की। गुसाईं ने गेंदबाजी में चार ओवर में मात्र 13 रन देकर तीन विकेट लिए और बाद में 10 गेंदों पर नाबाद 19 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

दोसेजा ने कहा, मयंक ने शानदार गेंदबाजी की। वह बेहतरीन आलराउंडर हैं, लेकिन उनकी गेंदबाजी ने मैच का रुख बदल दिया। टी20 मैच में चार ओवर में सिर्फ 13 रन देकर तीन विकेट लेना शानदार प्रदर्शन है। उन्होंने जीत में सबसे बड़ा योगदान दिया और प्लेयर आफ द मैच के हकदार थे।

अपनी बल्लेबाजी पर दोसेजा ने कहा, जब मैं बल्लेबाजी करने आया तब स्थिति थोड़ी चुनौतीपूर्ण थी क्योंकि हम शुरुआती विकेट गंवा चुके थे। मेरी योजना पहले कुछ गेंदें खेलकर परिस्थितियों को समझने की थी। इसके बाद जब मुझे गैप मिलने लगे तो मैंने सकारात्मक क्रिकेट खेलते हुए लक्ष्य को जल्द से जल्द हासिल करने की कोशिश की। बारिश से प्रभावित परिस्थितियों पर उन्होंने कहा, बारिश की वजह से हमारी योजनाओं में कुछ बदलाव करना पड़ा और अंतिम एकादश में भी परिवर्तन करने पड़े। लेकिन टीम का हर खिलाड़ी मौके के लिए तैयार था। सभी ने परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाला और टीम की जीत में योगदान दिया।

इस जीत के साथ वेस्ट दिल्ली लायंस ने डीपीएल 2026 में तीन मैचों में अपनी दूसरी जीत दर्ज की और अंक तालिका में चार अंक हासिल कर लिए।

बुमराह की खराब फिटनेस से उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर उठे सवाल

पिछले 970 दिन में सिर्फ तीन एकदिवसीय ही खेल पाये

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अपनी फिटनेस को लेकर लगातार संघर्ष करते रहे हैं। इसी कारण वह बार-बार टीम से अंदर-बाहर होते रहे हैं। ऐसे में अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में उनके खेलने को लेकर टीम प्रबंधन की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। इसका कारण ये है कि पिछले बुमराह पिछले 970 दिन में सिर्फ तीन एकदिवसीय ही खेल पाये हैं। ऐसे में उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर भी सवाल उठ रहे हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार बुमराह अपने अनूठी एक्शन और सटीक यार्कर के कारण क्रिकेट जगत में एक अलग पहचान बनाने में सफल रहे हैं पर यही उनकी फिटनेस के लिए भी एक चुनौती बन गई है। बीसीसीआई द्वारा उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान दिए जाने के बावजूद, बुमराह की मैदान पर उपलब्धता एक बड़ी चिंता का विषय बनी हुई है। क्रिकेट के मैदान पर उतरने के बाद कोई भी खिलाड़ी अपने को चोटों से ज्यादा समय तक नहीं बचा पाता, और बुमराह इसका जीता-जागता उदाहरण हैं।

ताजा आंकड़ों के अनुसार, पिछले 970 दिनों की अवधि में बुमराह ने भारतीय टीम के लिए केवल 3 एकदिवसीय मैच खेले हैं। यह आंकड़ा तब और भी हैरान करने वाला हो जाता है जब हम देखते हैं कि इसी दौरान भारतीय टीम ने कुल 29 एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं, जिसका अर्थ है कि बुमराह ने इनमें से 26 महत्वपूर्ण मैचों को नहीं खेला है।

2023 एकदिवसीय विश्व कप फाइनल के बाद से ही हां बुमराह कुछ ही एकदिवसीय मैचों में ही मैदान पर दिखे हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या बुमराह अपनी इस सीमित उपलब्धता के साथ भारतीय टीम को 2027 का एकदिवसीय विश्व कप जिताने में सक्षम होंगे साथ ही, वर्कलोड मैनेजमेंट पर इतना जोर दिए जाने के बावजूद उनकी पूरी फिटनेस हासिल न कर पाना भी कई गंभीर सवाल खड़े करता है।

बुमराह की अनुपस्थिति सिर्फ एकदिवीसयस फार्मेट तक ही सीमित नहीं है, बल्कि चोट और वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण वह टेस्ट और टी-20 फार्मेट से भी लगातार बाहर रहे हैं।

टेस्ट क्रिकेट में, साल 2023 के बाद से भारतीय टीम ने कुल 27 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से बुमराह केवल 22 में ही मैदान पर उतर सके हैं, यानी 5 टेस्ट मैचों से उन्हें बाहर रहना पड़ा।

क्रिकेट के सबसे छोटे फार्मेट, टी-20 में तो स्थिति और भी चिंताजनक है। 2023 वनडे विश्व कप के बाद से भारतीय टीम ने कुल 78 टी-20 मैच खेले हैं, जिनमें से बुमराह ने सिर्फ 33 में ही हिस्सा लिया है। इसका मतलब है कि उन्होंने चोट या वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर 45 टी-20 मुकाबलों में मैदान से बाहर ही समय बिताया है। बुमराह की यह लगातार चोटें न केवल उनके स्वयं के करियर के लिए बल्कि भारतीय टीम के लिए भी एक बड़ा सिरदर्द बन गई हैं। हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर वह एकदिवसीय सीरीज में घुटने की चोट का शिकार हो गये। इसी कारण अब वह श्रीलंका दौरे से भी बाहर हो गये हैं।